DIRECTORATE OF DISTANCE EDUCATION

MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY, ROHTAK

New Scheme of Examination

Master of Arts (Hindi)

Two Year Programme

Programme Specific Outcomes

PSO1. आधुनिक काल में रचित हिंदी कविता की विविध प्रवृत्तियों को महत्वपूर्ण कवियों और कविताओं द्वारा समझना।

PSO2. आधुनिक काल में रचित विविध गद्य विधाओं का आलोचनात्मक अध्ययन ताकि उनके माध्यम से साहित्य एवं समाज के अन्तरसम्बन्ध की जानकारी हो सके।

PSO3. 1050 ई॰ से अब तक रचित हिंदी साहित्येतिहास की विविध सोपानों के माध्यम से जानकारी।

PSO 4. भाषा एवं भाषा विज्ञान की परिभाषा एवं स्वरुप की सैद्धांतिक जानकारी प्रदान करना।

PSO 5. जनजीवन में गहरी पैठ बनाने वाले कवि कबीर की बानी की निर्गुण साहित्य परम्परा को जानना।

एम0 ए0 हिन्दी

प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र : आधुनिक हिंदी कविता – I

PAPER CODE: 20HND21C1

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
सतत् मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1- आधुनिक कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों और परपंरा का ज्ञान कराना।

CO 2- छायावादी कविता का अंतरंग परिचय पाने के लिए प्रसाद और निराला से प्रतिनिधि कवियों की कविताओं का पारायण करना और प्रसाद और निराला की रचनाओं की जानकारी के साथ दक्षता पैदा करना।

CO 3- प्रगतिवादी आंदोलन की प्रवृत्तियों और निष्पत्तियों को चुनिंदा कवियों की कृतियों के माध्यम से जानना और प्रगतिवादी कवियों के सामाजिक सरोकारों और कलात्मक विशिष्टताओं की जानकारी प्रदान करना।

CO 4- प्रयोगवादी कविता और नई कविता आंदोलन की रचनाओं को प्रतिनिधि कविताओं के माध्यम से समझना और प्रयोगवादी और नई कविता के माध्यम से समकालीन कविता की प्रमुख विशिष्टताओं की जानकारी प्रदान करना।

CO 5- आधुनिक कालीन हिन्दी कविता की विकास परपंरा और विविध आंदोलनों की जानकारी।

क) पाठ्य विषय

1 मैथिलीशरण गुप्त : साकेत (नवम् सर्ग)
2 जयशंकर प्रसाद : कामायनी (श्रद्धा, रहस्य, इडा सर्ग)
3 सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : राम की शक्ति पूजा, स्नेह निर्झर बह गया, संध्या सुंदरी, मै अकेला, तोडती पत्थर, बादल राग प्रथम खण्ड।
4 रामधारी सिंह दिनकर : कुरूक्षेत्र षष्टम सर्ग ।

ख) आलोच्य विषय

साकेत : रामकाव्य परम्परा और साकेत, साकेत का महाकाव्यत्व, मैथिलीशरण गुप्त की नारी विषयक दृष्टि, काव्य वैशिष्ट्य ।

कामायनी : कामायनी का महाकाव्यत्व, रूपक तत्व, कामायनी की दार्शनिक पृष्ठभूमि, कामायनी का आधुनिक संदर्भ, प्रसाद का सौन्दर्य बोध ।

निराला : छायावादी काव्य परम्परा में निराला का स्थान, निराला काव्य की प्रयोगशीलता, निराला की प्रगतिशील चेतना, राम की शक्तिपूजा का मूल कथ्य ।

कुरुक्षेत्र : उत्तर छायावादी काव्य और दिनकर, दिनकर का काव्य शिल्प, दिनकर की जीवन दृष्टि, मूल प्रतिपाद्य ।

सहायक ग्रंथ

1. मैथिलीशरण गुप्त : कवि और भारतीय संस्कृति आख्याता डॉ0 उमाकांत, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
2. मैथिलीशरण गुप्त और साकेत : डॉ0 ब्रजमोहन वर्मा, जयपुर पुस्तक सदन, जयपुर ।
3. साकेत एक अध्ययन : डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
4. संपूर्ण कामायनी (पाठ–अर्थ–समीक्षा) : डॉ0 हरिहर प्रसाद गुप्त, भाषा साहित्य प्रकाशन, इलाहाबाद ।
5. निराला की साहित्य साधना : डॉ0 रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. नई कविता की भूमिका : डॉ0 प्रेम शंकर, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
7. छायावादी काव्य और निराला : डॉ0 कुमारी शांति श्रीवास्तव, ग्रंथम कानपुर ।
8. निराला : डॉ0 पदम सिंह शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
9. निराला और नवजागरण : डॉ0 रामरतन भटनागर, साथी प्रकाशन, सागर ।
10. निराला – डॉ0 रामविलास शर्मा, शिवलाल अग्रवाल एण्ड कंपनी, आगरा ।
11. निराला की साहित्य साधना (1, 2, 3) भाग – डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल दिल्ली ।
12. छायावाद की प्रासंगिकता : रमेशचंद्र शाह
13. निराला की साहित्य साधना – डॉ0 रामविलास शर्मा तीनों खंड
14. मुक्तिबोध का साहित्य विवेक और उनकी कविता – डॉ0 ललन राय, मंथन पब्लिकेशन, रोहतक ।
15. अज्ञेय की काव्य चेतना – डॉ0 कृष्ण भावुक, साहित्य प्रकाशन, भालीवाड़ा दिल्ली ।

निर्देश –

1. खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा। कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 18 अंकों का होगा ।
2. प्रत्येक पाठ्य पुस्तक के लिए खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगें। तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होंने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं पूरा प्रश्न 33 अंकों का होगा ।
3. पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंकों का होगा ।
4. पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

एम0 ए0 हिन्दी

प्रथम सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न पत्र : आधुनिक गद्य साहित्य – I

PAPER CODE: 20HND21C2

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
सतत् मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1- आधुनिक गद्य–साहित्य नई सोच और नये दृष्टिकोण को विकसित करता है।

CO 2- आधुनिक गद्य–साहित्य ने हमें प्रत्यक्षतः तथा परोक्षतः पुनर्जागरण के लिए प्रेरित किया।

CO 3- आधुनिक गद्य–साहित्य परिवेश और मनुष्य के बीच के सम्बन्ध को बखूबी समझता है।

CO 4- आधुनिक गद्य–साहित्य परिवेशगत अवमूल्यन पर चोट करता है।

CO 5- आधुनिक गद्य–साहित्य में गद्य भाषा से ग्राम्यत्व हटाकर उसमें नागरिक स्निग्धता का पुट दिया गया।

पाठ्य विषय

1 गोदान – प्रेमचंद
2 बाणभट्ट की आत्मकथा – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ।
3. अतीत के चलचित्र – महादेवी वर्मा ।
4 कथान्तर – संपा0 डॉ0 परमानंद श्रीवास्तव, राजकमल पेपरबैक्स, दिल्ली
निर्धारित कहानियाँ – उसने कहा था, कफन, आकाशदीप, पत्नी, गैंग्रीन, वापसी, लाल पान की बेगम।

आलोच्य विषय

गोदान
1 कृषक जीवन का महाकाव्य
2 युगीन समस्याओं का निरूपण
3 प्रमुख पात्रों का चरित्र–चित्रण
4 प्रेमचंद के साहित्य में गोदान का स्थान

बाणभटट की आत्मकथा
1 मूल संवेदना ।
2 प्रेम दर्शन ।
3 आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के स्त्री पात्र ।
4 बाणभट्ट की आत्मकथा में आधुनिकता ।

अतीत के चलचित्र
1 महादेवी वर्मा की संवेदना
2 सामाजिक समस्याओं का निरूपण ।
3 चरित्र–चित्रण ।
4 रचना–शिल्प ।

कहानी संग्रह पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानियों की मूल संवेदना और शिल्प

सहायक ग्रंथ

1 गोदान : विविध संदर्भों में : डॉ0 रामाश्रय मिश्र, उन्मेष प्रकाशन, हरिद्वार ।
2 प्रेमचंद और उनका युग : डॉ0 रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
3 गोदान : मूल्यांकन और मूल्यांकन : डॉ0 इन्द्रनाथ मदान, लिपि प्रकाशन, दिल्ली ।
4 हिंदी उपन्यास : पहचान और परख : डॉ0 इन्द्रनाथ मदान, लिपि प्रकाशन, दिल्ली ।
5 प्रेमचंद : डॉ0 गंगा प्रसाद विमल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

6 कहानी : नई कहानी–डॉ0 नामवर सिंह, लोक भारती, इलाहाबाद ।
7 हिंदी कहानी : स्वरूप और संवेदना : राजेन्द्र यादव, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
8 कहानी : स्वरूप और संवेदना : राजेन्द्र यादव, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
9 हिंदी कहानी : एक नई दृष्टि : डॉ0 इन्द्रनाथ मदान, संभावना प्रकाशन, दिल्ली ।
10 हिंदी कहानी : एक अन्तर्यात्रा : डॉ0 वेद प्रकाश अमिताभ, अभिसार प्रकाशन, मेहसाना
11 नई कहानी संदर्भ और प्रकृति : देवी शंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
12 हिंदी कहानी : रचना प्रक्रिया : परमानन्द श्रीवास्तव, ग्रंथम कानपुर ।

<u>निर्देश –</u>

1. खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आतंरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा। कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंकों का होगा ।
2. प्रत्येक पाठ्य पुस्तक के लिए खंड –ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे । तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होंने चाहिए । प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं पूरा प्रश्न 33 अंकों का होगा।
3. पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंकों का होगा।
4. पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

एम0 ए0 हिन्दी

प्रथम सेमेस्टर

तृतीय प्रश्न पत्र – हिंदी साहित्य का इतिहास – I
(आदि काल, भक्ति काल और रीति काल/मध्यकाल तक – I)
PAPER CODE: 20HND21C3

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
सतत् मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1- इतिहास का संबंध अतीत से होता है और इसमें वास्तविक घटनाओं और वृत्तान्तों का सन्निवेश होता है। इतिहास–दर्शन काल के माध्यम से संस्कृति का अध्ययन करता है।

CO 2- इतिहास मानवीय सरोकारों की व्याख्या करने वाली एक विधा है, जो अतीत के सन्दर्भों से आगत को प्रभावित करती है।

CO 3- हिन्दी साहित्य के इतिहास के अध्ययन का उद्देश्य भी यही है कि वह में नयी व्याख्या, नयी प्रेरणा और नयी दृष्टि से आगत के आलोकपूर्ण पथ को प्रशस्त करता है।

CO 4- आदिकाल से आधुनिक काल तक क्रमबद्ध रूप में विद्यार्थियों को जानकारी देना।

CO 5- मानव–समाज की सम्पूर्ण गति तथा परिवतर्न का मूल्यों के संदर्भ में भी अध्ययन करता है।

1 हिंदी साहित्येतिहास के अध्ययन की पूर्व – पीठिका
हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा
साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ
हिंदी–साहित्य का इतिहास : काल–विभाजन, सीमा – निर्धारण

2 आदिकाल
नामकरण और सीमा
परिवेश : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक
वर्गीकरण, सिद्ध, जैन, नाथ, रासो साहित्य
आदिकालीन कविता की प्रवृतियाँ
रासो काव्य–परंपरा
पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता

3 भक्तिकाल
परिवेश : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक
भक्ति–आंदोलन
भक्तिकालीन काव्य–धाराएँ : वैशिष्ट्य और अवदान
संत काव्य–धारा : वैशिष्ट्य
सूफी काव्य–धारा : वैशिष्ट्य
राम काव्य–धारा : वैशिष्ट्य
कृष्ण काव्य–धारा : वैशिष्ट्य
भक्तिकाल : स्वर्णयुग

4 रीतिकाल
नामकरण और सीमा
परिवेश : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक
रीतिकालीन कवियों का आचार्यत्व

विभिन्न काव्य–धाराओं की विशेषताएँ –

रीतिबद्ध

रीतिसिद्ध

रीतिमुक्त

सहायक ग्रंथ

1 हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।

2 हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ0 रामकुमार वर्मा, रामनारायण लाल, बेनी प्रसाद, इलाहाबाद ।

3 हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

4 हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास–आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, अत्तर चंद कपूर एण्ड संज, दिल्ली ।

5 हिन्दी साहित्य का इतिहास : सम्पादक–डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।

6 हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।

7 मध्ययुगीन काव्य साधना : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, नवदीप प्रकाशन, अयोध्या, फैजाबाद ।

8 हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ0 बच्चन सिंह, राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।

9 निर्गुण काव्य : प्रेरणा और प्रवृति, डॉ0 रामसजन पाण्डेय, निर्मल पब्लिकेशंस, दिल्ली ।

10 हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 राम सजनपाण्डेय, संजय प्रकाशन, दिल्ली ।

11 हिन्दी साहित्येतिहास दर्शन की भूमिका : डॉ0 हरमहेन्द्र सिंह बेदी, निर्मल पब्लिकेशंस, दिल्ली।

12 हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ0 गणपति चन्द्र गुप्त, भारतेंदु भवन, चण्डीगढ।

13 हिन्दी साहित्य का आदिकाल : डॉ0 हरिश्चन्द्र वर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ ।

14 हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्र् भाषा परिषद, पटना।

15 आधुनिक हिन्दी साहित्य : लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय, हिन्दी परिषद् इलाहाबाद युनिवर्सिटी, इलाहाबाद।

16 हिन्दी साहित्य चिन्तन : सम्पादक सुधाकर पाण्डेय, कला मन्दिर, नई सड़क, दिल्ली ।

17 हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : राम स्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

निर्देश –

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक खंड में से कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए कुल प्रश्नों की अधिकतम संख्या आठ होगी। परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड में से कम से कम एक प्रश्न अर्थात् कुल चार प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 48 अंकों का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम में कोई दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।

   पूरे पाठ्यक्रम में से आठ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

एम0 ए0 हिन्दी

प्रथम सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्न पत्र – भाषाविज्ञान एवं हिंदी भाषा – I

PAPER CODE: 20HND21C4

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
सतत् मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1- भाषा एवं भाषा विज्ञान की परिभाषा एवं स्वरूप की सैद्धांतिक जानकारी

CO 2- स्वनविज्ञान की परिभाषा एवं स्वरूप तथा वाक् उत्पादन प्रक्रिया का ज्ञान

CO 3- रूपविज्ञान, वाक्य विज्ञान एवं अर्थ विज्ञान की सैद्धांतिक जानकारी

CO 4- हिन्दी भाषा का इतिहास एवं विकास–क्रम का ज्ञान कराना।

CO 5- लिपि विज्ञान की सैद्धांतिक जानकारी देते हुए हिन्दी प्रचार–प्रसार में व्यक्तियों तथा संस्थाओं के योगदान की जानकारी।

1 भाषा
- भाषा की परिभाषा और प्रवृत्ति
- भाषा के अध्ययन क्षेत्र
- भाषा की व्यवस्था और व्यवहार
- भाषा की संरचना
- भाषा के अध्ययन की दिशाएँ ; वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक

2 स्वनविज्ञान
- वाग्यंत्र और ध्वनि–उत्पादन प्रक्रिया
- स्वन : परिभाषा और वर्गीकरण
- स्वनगुण और उनकी सार्थकता
- स्वनिक परिवर्तन की दिशाएँ
- स्वनिम : स्वरूप और वर्गीकरण

3 रूपविज्ञान एवं वाक्य विज्ञान
- शब्द और रूप (पद)
- संबंध तत्व और अर्थ तत्व
- रूप, संरूप और रूपिमों का स्वरूप
- अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद
- वाक्य के प्रकार
- रचना की दृष्टि
- अर्थ की दृष्टि
- वाक्य की गहन संरचना और बाह्य संरचना

4 अर्थ विज्ञान
- अर्थ की अवधारणा, शब्द – अर्थ संबंध
- अर्थ–बोध के साधन
- एकार्थकता, अनेकार्थता
- अर्थ – परिवर्तन की दिशाएँ

5 भाषा – लिपि एवं अन्य विषय–संबंध
भाषा और लिपि के घटकों के संबंध
भाषाविज्ञान और अन्य शास्त्रों/विषयों से संबंध
भाषाविज्ञान और व्याकरण, भाषाविज्ञान और साहित्य
व्यतिरेकी भाषाविज्ञान
समाज भाषाविज्ञान

सहायक ग्रंथ

1 भाषाविज्ञान और मानक हिंदी – डॉ0 नरेश मिश्र, अभिनव प्रकाशन, 4424 नई सड़क, दिल्ली–6 2004 ई0
2 भाषा और हिंदी भाषा का इतिहास – डॉ0 नरेश मिश्र, हरियाणा साहित्य अकादमी,169,सेक्टर–12,पंचकूला 2006 ई0
3 भाषा और भाषाविज्ञान – डॉ0 नरेश मिश्र, निर्मल पब्लिकेशंस, शाहदरा, दिल्ली–94 2004 ई0
4 भाषाविज्ञान एवं हिंदी – डॉ0 नरेश मिश्र, राजपाल एण्ड संज, मदरसा रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली 2007 ई0
5 हिंदी भाषा – डॉ0 भोलानाथ तिवारी, किताब महल, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद 2005 ई0
6 भाषाविज्ञान – डॉ0 भोलानाथ तिवारी, किताब महल, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद 2006 ई0
7 भाषाविज्ञान की भूमिका – प्रो0 देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधा कृष्ण प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज दिल्ली – 2 2001 ई0
8 हिंदी भाषा का इतिहास – डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा, हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयाग 2000 ई0
9 हिंदी : उद्भव विकास और रूप – डॉ0 हरदेव बाहरी, किताब महल, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद । 1980 ई0
10 सामान्य भाषाविज्ञान – डॉ0 बाबू राम सक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग 1983 ई0
11 व्याकरणिक कोटियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन– डॉ0 दीप्ति शर्मा, बिहार ग्रंथ अकादमी कदमकुआँ, पटना 2000 ई0
12 आधुनिक भाषाविज्ञान, कृपाशंकर सिंह– चतुर्भुज सहाय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दरियागंज, दिल्ली। 2000 ई0
13 नागरी लिपि – डॉ0 नरेश मिश्र, निर्मल पब्लिकेशंस, शाहदरा, दिल्ली । 2001 ई0

निर्देश –

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक खंड में से कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए कुल प्रश्नों की अधिकतम संख्या आठ होगी। परीक्षार्थी को इनमें से कोई चार प्रश्न करने होंगें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 48 अंकों का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम में से कुल दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगें जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।
3. पूरे पाठ्यक्रम में से आठ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगें। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

एम0 ए0 हिन्दी

प्रथम सेमेस्टर

पंचम प्रश्न पत्र : विशेष रचनाकार कबीरदास – I

PAPER CODE: 20HND21D1

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
सतत् मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1- कबीर के समाज सुधारक रूप को समझने के लिए।

CO 2- समकालीन संदर्भों में कबीर की महत्ता को समझना।

CO 3- कबीर के ज्ञान और प्रेम के माध्यम से समाज की सुप्त चेतना को जगाने का प्रयास करना।

CO 4. निर्गुण भक्ति के स्वरूप को जानने के लिए।

क) व्याख्या हेतु निर्धारित पुस्तक

कबीर ग्रंथावली : सम्पादक–डॉ0 श्याम सुन्दर दास
प्रकाशक – नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।
निम्नलिखित अंग निर्धारित किए जाते हैं –

1 गुरुदेव कौ अंग	2 सुमिरण कौ अंग	3 बिरह कौ अंग
4 ग्यान बिरह कौ अंग	5 परचा कौ अंग	6 निहकर्मी पतिव्रता कौ अंग
7 चितावणी कौ अंग	8 मन कौ अंग	9 माया कौ अंग
10 सहज कौ अंग	11 सॉच कौ अंग	12 भ्रम विधौंषण कौ अंग
13 भेष कौ अंग	14 कुसंगति कौ अंग	15 साथ कौ अंग
16 साध महिमा कौ अंग	17 मधि कौ अंग	18 सारग्राही कौ अंग
19 उपदेश कौ अंग	20 बेसास कौ अंग	21 सबद कौ अंग
22 जीवन मृतक कौ अंग	23 हेत प्रीति कौ अंग	24 काल कौ अंग
25 कस्तूरियॉ मृग कौ अंग	26 निंद्या कौ अंग	27 बेली कौ अंग
28 अबिहड कौ अंग		

ख) आलोच्य विषय

1 भक्ति आन्दोलन और कबीर
2 निर्गुणमत और कबीर
3 निर्गुण काव्यपरम्परा और कबीर
4 मध्यकालीन धर्म साधना और कबीर
5 कबीर का समय
6 कबीर का जीवन वृत्त
7 कबीर का कृतित्व
8 कबीर का समाज दर्शन
9 कबीर का दार्शनिक चिंतन
10 कबीर की भक्ति भावना

सहायक ग्रंथ

1 निर्गुण काव्य : प्रेरणा और प्रवृति – रामसजन पाण्डेय
2 निर्गुण काव्य की सांस्कृतिक भूमिका – रामसजन पाण्डेय
3 हिंदी काव्य में निर्गुण धारा – पीताम्बर दत्तबडथ्वाल, अवध पब्लिशिंग हाउस, लखनऊ ।
4 कबीर – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
5 कबीर की कविता – योगेन्द्र प्रताप सिंह

6 कबीर मीमांसा – डॉ0 रामचंद्र तिवारी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
7 उत्तरी भारत की संत परम्परा – परशुराम चतुर्वेदी, भारती भण्डार, इलाहाबाद ।
8 कबीर के काव्य रूप – नजीर मुहम्मद
9 कबीर साहित्य की परख – परशुराम चतुर्वेदी, भारती भण्डार, इलाहाबाद ।
10 संत कबीर – सं0 राम कुमार वर्मा,
11 कबीर की विचारधारा – गोविन्द त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन, कानपुर ।
12 हिंदी की निर्गुण काव्य धारा और कबीर – जयदेव सिंह
13 रधुवंश : कबीर : एक नई दृष्टि

निर्देश –

1. खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तक में से व्याख्या के लिए छः अवतरण पूछे जाऐंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं और पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
2. खंड – ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे । परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगें। प्रत्यके प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 33 अंक का होगा ।
3. पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा ।
4. पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

एम0 ए0 हिन्दी

द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र : आधुनिक हिंदी कविता – II

PAPER CODE: 20HND22C1

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
सतत् मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1- आधुनिक कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों और परपंरा का ज्ञान कराना।

CO 2- छायावादी कविता का अंतरंग परिचय पाने के लिए प्रसाद और निराला से प्रतिनिधि कवियों की कविताओं का पारायण करना और प्रसाद और निराला की रचनाओं की जानकारी के साथ दक्षता पैदा करना।

CO 3- प्रगतिवादी आंदोलन की प्रवृत्तियों और निष्पत्तियों को चुनिंदा कवियों की कृतियों के माध्यम से जानना और प्रगतिवादी कवियों के सामाजिक सरोकारों और कलात्मक विशिष्टताओं की जानकारी प्रदान करना।

CO 4- प्रयोगवादी कविता और नई कविता आंदोलन की रचनाओं को प्रतिनिधि कविताओं के माध्यम से समझना और प्रयोगवादी और नई कविता के माध्यम से समकालीन कविता की प्रमुख विशिष्टताओं की जानकारी प्रदान करना।

CO 5- आधुनिक कालीन हिन्दी कविता की विकास परपंरा और विविध आंदोलनों की जानकारी।

क) पाठ्य विषय

1 सच्चिदानन्द हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय : असाध्य वीणा, सोन मछली, एक बूँद सहसा उछली
2 नागार्जुन : चन्दू मैंने सपना देखा, बादल को घिरते देखा है, बाकी बच गया अण्डा, अकाल और उसके बाद, मास्टर, शासन की बन्दूक, आओ रानी हम ढोयेंगे पालकी, सत्य, तीन दिन तीन रात ।
3 गजानन माधव मुक्तिबोध : अंधेरे में, भूल गलती।
4. रघुवीर सहाय : पढ़िए गीता, किले में औरत, बड़ी हो रही है लड़की , रामदास, औरत की चीख, पैदल आदमी, पानी पानी बच्चा बच्चा ।

आलोच्य विषय

अज्ञेय : प्रयोगवादी परम्परा और अज्ञेय, अज्ञेय का काव्य वैशिष्ट्य, अज्ञेय की असाध्य वीणा का प्रतिपाद्य, काव्य भाषा

नागार्जुन : नागार्जुन का काव्य वैशिष्ट्य, यथार्थ चेतना और लोक दृष्टि, राजनीतिक दृष्टि, नागार्जुन की काव्य भाषा, काव्य शिल्प

गजानन माधव मुक्तिबोध : मुक्तिबोध का काव्य संसार, मुक्तिबोध की विश्व दृष्टि, सामाजिक चेतना, काव्यशिल्प।

रघुवीर सहाय : स्वातन्त्र्योतर युग और रघुवीर सहाय की कविता, रघुवीर सहाय का राजनैतिक परिपेक्ष्य, रघुवीर सहाय की कविताओं में सामाजिक यथार्थ, काव्य वैशिष्टय ।

सहायक ग्रन्थ

1 नागार्जुन का रचना संसार : सम्पा0 विजय बहादुर सिंह
2 आलोचना का नागार्जुन विशेषांक
3 सागर से शिखर तक : राम कमल राय (लोकभारती)
4 पूर्वग्रह का अज्ञेय अंक
5 फिलहाल : अशोक वाजपेयी
6 अज्ञेय कवि : डॉ0 ओम प्रकाश अवस्थी
7 अज्ञेय का रचना संसार : सम्पा0 गंगा प्रसाद विमल
8 अज्ञेय की कविता एक मूल्यांकन : डॉ0 चन्द्रकांत वांदिवडेकर
9 अज्ञेय : कवि और काव्य : डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद
10 अज्ञेय : सम्पा0 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
11 आज के प्रतिनिधि कवि अज्ञेय : डॉ0 विद्या निवास मिश्रा

12 नागार्जुन की कविता : डॉ0 अजय तिवारी
13 नागार्जुन की काव्य यात्रा : रतन कुमार पाण्डेय
14 नागार्जुन की कविता में युगबोध : चन्द्रिका ठाकुर
15 नागार्जुन और उनका रचना संसार : विजय बहादुर सिंह
16 आलोचना नागार्जुन विशेषांक 1981
17 नागार्जुन का काव्य और युग : अंतः संबंधों का अनुशीलन – जगन्नाथ पंडित
18 अज्ञेय की काव्य चेतना : डॉ0 कृष्ण भावुक, साहित्य प्रकाशन, भालीवाड़ा दिल्ली ।
19 दिनकर काव्य का पुर्नमूल्यांकन, डॉ. शम्भुनाथ ।
20 रघुवीर सहाय का कवि कर्म : सुरेश शर्मा
21. रघुवीर सहाय : सम्पादक विष्णु नागर और असद जैदी ।
22. मुक्ति बोध की रचना प्रक्रिया : अशोक चक्रधर ।
23. मुक्ति बोध ज्ञान और संवेदना : नन्द किशोर नवल ।
24. मुक्ति बोध के प्रतीक और बिम्ब : चंचल चौहान ।
25. मुक्ति बोध का साहित्य विवेक और उनकी कविता : डॉ. लल्लन राय ।

निर्देश –

1. खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा। कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
2. प्रत्येक पाठ्य पुस्तक के लिए खंड –ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे । परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होंने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 33 अंक का होगा ।
3. पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
4. पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

एम0 ए0 हिन्दी

द्वितीय सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न पत्र : आधुनिक गद्य साहित्य – II

PAPER CODE: 20HND22C2

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
सतत् मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1- आधुनिक गद्य–साहित्य नई सोच और नये दृष्टिकोण को विकसित करता है।
CO 2- आधुनिक गद्य–साहित्य ने हमें प्रत्यक्षतः तथा परोक्षतः पुनर्जागरण के लिए प्रेरित किया।
CO 3- आधुनिक गद्य–साहित्य परिवेश और मनुष्य के बीच के सम्बन्ध को बखूबी समझता है।
CO 4- आधुनिक गद्य–साहित्य परिवेशगत अवमूल्यन पर चोट करता है।
CO 5- आधुनिक गद्य–साहित्य में गद्य भाषा से ग्राम्यत्व हटाकर उसमें नागरिक स्निग्धता का पुट दिया गया।

पाठ्य पुस्तकें

1 चंद्रगुप्त – जय शंकर प्रसाद
2 आधे–अधूरे – मोहन राकेश
3 आवारा मसीहा – विष्णु प्रभाकर
4 निर्धारित निबंध : साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है, कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता, मजदूरी और प्रेम, कविता क्या है, नाखून क्यों बढते हैं, पगडंडियों का जमाना, अस्ति की पुकार हिमालय ।

आलोच्य विषय

चंद्रगुप्त – चंद्रगुप्त की ऐतिहासिकता, नायकत्व, राष्ट्रीयता, रंगमंच की दृष्टि से चंद्रगुप्त ।
आधे–अधूरे – आधुनिकता बोध, परिवार संस्था का स्वरूप, प्रयोगधर्मिता, चरित्र –चित्रण ।
आवारा मसीहा – जीवनी साहित्य में आवारा मसीहा का स्थान, आवारा मसीहा की रचना के प्रेरक तत्व, आवारा मसीहा में चित्रित शरतचंद्र का व्यक्तित्व वैशिष्ट्य, आवारा मसीहा के संदर्भ में शरतचंद्र की स्त्री दृष्टि ।
निबंध – पाठ्यक्रम में निर्धारित निबंधों का मूल प्रतिपाद्य एवं शिल्प

सहायक ग्रंथ

1 हिंदी नाटक : उद्भव और विकास–डॉ0 दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली ।
2 प्रसाद के नाटक : स्वरूप और संरचना–गोविन्द चातक, साहित्य भारती, दिल्ली ।
3 मोहन राकेश और उनके नाटक : गिरीश रस्तोगी, लोक भारती, इलाहाबाद ।
4 आधुनिक नाटक का मसीहा : मोहन राकेश, डॉ0 गोविन्द चातक, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दल्ली।
5 नाटककार मोहन राकेश : जीवन प्रकाश जोशी, सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली ।
6 मोहन राकेश का नाट्य साहित्य : डॉ0 पुष्पा बंसल, सूर्य प्रकाशन, दिल्ली ।
7 समसामयिक हिंदी नाटकों में चरित्र सृष्टि : सामयिक प्रकाशन, दिल्ली ।
8 हिंदी नाट्य चिंतन : डॉ0 कुसुम कुमार, साहित्य भारती, दिल्ली ।
9 भारतीय नाट्य साहित्य : डॉ0 नगेन्द्र, एस. चांद एंड कंपनी, दिल्ली ।
10 रंगमंच : बलवंत गार्गी : राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
11 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल निबंध यात्रा : डॉ0 कृष्ण देव, इतिहास, शोध संस्थान, नई दिल्ली ।
12 हिंदी साहित्य में निबंध का विकास : ओंकारनाथ शर्मा, अनुसंधान प्रकाशन, कानपुर ।

13 सरदार पूर्ण सिंह : राम अवध शास्त्री, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
14 हिंदी निबंधकार : जयनाथ नलिन, आत्माराम एंड संस, दिल्ली ।
15 समकालीन ललित निबंध : डॉ0 विमल सिंहल, श्याम प्रकाशन, जयपुर ।
16 आवारा मसीहा : जीवनी के निकष पर, माया मलिक, मंथन पब्लिकेशंस, रोहतक ।

निर्देश –

1. खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा । कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा ।
2. प्रत्येक पाठ्य पुस्तक के लिए खंड –ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे । परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे । तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होंने चाहिए । प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं पूरा प्रश्न 33 अंक का होगा ।
3. पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
4. पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

एम0 ए0 हिन्दी

द्वितीय सेमेस्टर

तृतीय प्रश्न पत्र–हिंदी साहित्य का इतिहास – II

(आधुनिक काल)

PAPER CODE: 20HND22C3

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
सतत् मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1- इतिहास का संबंध अतीत से हातेा है और इसमें वास्तविक घटनाओं और वृत्तान्तों का सन्निवेश होता है। इतिहास–दर्शन काल के माध्यम से संस्कृति का अध्ययन करता है।

CO 2- इतिहास मानवीय सरोकारों की व्याख्या करने वाली एक विधा है, जो अतीत के सन्दर्भों से आगत को प्रभावित करती है।

CO 3- हिन्दी साहित्य के इतिहास के अध्ययन का उद्देश्य भी यही है कि वह में नयी व्याख्या, नयी प्रेरणा और नयी दृष्टि से आगत के आलोकपूर्ण पथ को प्रशस्त करता है।

CO 4- आदिकाल से आधुनिक काल तक क्रमबद्ध रूप में विद्यार्थियों को जानकारी देना।

CO 5- मानव–समाज की सम्पूर्ण गति तथा परिवतर्न का मूल्यों के संदर्भ में भी अध्ययन करता है।

1 आधुनिक हिंदी साहित्येतिहास
परिवेश : राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, साहित्यिक
1857 ई0 की राज्यक्रांति और पुनर्जागरण

2 भारतेंदु युग : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ

3 द्विवेदी युग : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ

4 छायावादी काव्य : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ

5 उत्तर छायावादी काव्य : प्रतिनिधि रचनाकार एवं प्रवृतियाँ
प्रगतिवाद : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ
प्रयोगवाद : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ
नई कविता : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ
नवगीत : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ
समकालीन कविता : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ

6 हिंदी गद्य विधाओं का उद्‌भव और विकास
कहानी उपन्यास
नाटक निबंध
संस्मरण रेखाचित्र
जीवनी आत्मकथा
रिपोर्ताज

7 हिंदी आलोचना का उद्‌भव और विकास

8 दक्खिनी हिंदी साहित्य का संक्षिप्त परिचय

9 हिंदी की संस्कृति (संस्थाएं, पत्रिकाएं, आन्दोलन और प्रतिष्ठान)

सहायक ग्रंथ

1 हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
2 हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ0 रामकुमार वर्मा, रामनारायण लाल, बेनी प्रसाद, इलाहाबाद ।
3 हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
4 हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास–आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, अत्तर चंद कपूर एण्ड संज, दिल्ली ।
5 हिन्दी साहित्य का इतिहास : सम्पादक–डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
6 हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
7 मध्ययुगीन काव्य साधना : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, नवदीप प्रकाशन, अयोध्या, फैजाबाद ।
8 हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ0 बच्चन सिंह, राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।
9 निर्गुण काव्य : प्रेरणा और प्रवृति, डॉ0 रामसजन पाण्डेय, निर्मल पब्लिकेशंस, दिल्ली ।
10 हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 राम सजनपाण्डेय, संजय प्रकाशन, दिल्ली ।
11 हिन्दी साहित्येतिहास दर्शन की भूमिका : डॉ0 हरमहेन्द्र सिंह बेदी, निर्मल पब्लिकेशंस, दिल्ली।
12 हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ0 गणपति चन्द्र गुप्त, भारतेंदु भवन, चण्डीगढ।
13 हिन्दी साहित्य का आदिकाल : डॉ0 हरिश्चन्द्र वर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ ।
14 हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्र् भाषा परिषद, पटना।
15 आधुनिक हिन्दी साहित्य : लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय, हिन्दी परिषद् इलाहाबाद युनिवर्सिटी, इलाहाबाद।
16 हिन्दी साहित्य चिन्तन : सम्पादक सुधाकर पाण्डेय, कला मन्दिर, नई सड़क, दिल्ली ।
17 हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : राम स्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

निर्देश –

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक खंड में से कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए कुल प्रश्नों की अधिकतम संख्या आठ होगी। परीक्षार्थी को इनमें से कोई चार प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 48 अंकों का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम में कोई दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा ।
3. पूरे पाठ्यक्रम में से आठ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

एम0 ए0 हिन्दी

द्वितीय सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्न पत्र – भाषाविज्ञान एवं हिंदी भाषा – II

PAPER CODE: 20HND22C4

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
सतत् मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1- भाषा एवं भाषा विज्ञान की परिभाषा एवं स्वरूप की सैद्धांतिक जानकारी

CO 2- स्वनविज्ञान की परिभाषा एवं स्वरूप तथा वाक् उत्पादन प्रक्रिया का ज्ञान

CO 3- रूपविज्ञान, वाक्य विज्ञान एवं अर्थ विज्ञान की सैद्धांतिक जानकारी

CO 4- हिन्दी भाषा का इतिहास एवं विकास–क्रम का ज्ञान कराना।

CO 5- लिपि विज्ञान की सैद्धांतिक जानकारी देते हुए हिन्दी प्रचार–प्रसार में व्यक्तियों तथा संस्थाओं के योगदान की जानकारी।

1 हिंदी भाषा का इतिहास
प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ – वैदिक एवं लौकिक संस्कृत
मध्ययुगीन भारतीय आर्य भाषाएँ – पालि, प्राकृत, अपभ्रंश
आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ : परिचय
आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का परिचय – हार्नले और ग्रियर्सन का वर्गीकरण

2 हिंदी का विकासात्मक स्वरूप
हिंदी की उप भाषाएँ :
पूर्वी हिंदी और उसकी बोलियाँ
पश्चिमी हिंदी और उसकी बोलियाँ
मानक हिंदी का स्वरूप
काव्य – भाषा के रूप में अवधी का विकास
काव्य – भाषा के रूप में ब्रज का विकास
साहित्यिक हिंदी के रूप मे खड़ी बोली का विकास
हिंदी की संवैधानिक स्थिति

3 हिंदी का भाषिक स्वरूप
स्वनिम व्यवस्था : स्वर – परिभाषा और वर्गीकरण
व्यंजन – परिभाषा और वर्गीकरण
हिंदी शब्द संरचना : उपसर्ग, प्रत्यय, समस्तपद
हिंदी व्याकरणिक कोटियाँ : लिंग, वचन, पुरूष, कारक और काल की व्यवस्था के संदर्भ में हिंदी संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया रूप
हिंदी वाक्य रचना
हिंदी के विविध रूप ;बोली, भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा, माध्यम भाषा, संचार भाषा

4 नागरी लिपि और हिंदी प्रचार–प्रसार
हिंदी : प्रचार–प्रसार में प्रमुख व्यक्तियों का योगदान
प्रमुख संस्थाओं का योगदान
नागरी लिपि का नामकरण और विकास
नागरी लिपि की वैज्ञानिकता
नागरी लिपि का मानकीकरण
हिंदी कंप्यूटिंग
कंप्यूटर परिचय एवं महत्व
आंकडा संसाधन
वर्तनी–शोधन

सहायक ग्रंथ

1 भाषाविज्ञान और मानक हिंदी – डॉ0 नरेश मिश्र, अभिनव प्रकाशन, 4424 नई सड़क, दिल्ली–6 2004 ई0
2 भाषा और हिंदी भाषा का इतिहास – डॉ0 नरेश मिश्र, हरियाणा साहित्य अकादमी,169,सेक्टर–12,पंचकूला 2006 ई0
3 भाषा और भाषाविज्ञान – डॉ0 नरेश मिश्र, निर्मल पब्लिकेशंस, शाहदरा, दिल्ली–94 2004 ई0
4 भाषाविज्ञान एवं हिंदी – डॉ0 नरेश मिश्र, राजपाल एण्ड संज, मदरसा रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली 2007 ई0
5 हिंदी भाषा – डॉ0 भोलानाथ तिवारी, किताब महल, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद 2005 ई0
6 भाषाविज्ञान – डॉ0 भोलानाथ तिवारी, किताब महल, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद 2006 ई0
7 भाषाविज्ञान की भूमिका – प्रो0 देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधा कृष्ण प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज दिल्ली – 2 2001 ई0
8 हिंदी भाषा का इतिहास – डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा, हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयाग 2000 ई0
9 हिंदी : उद्‌भव विकास और रूप – डॉ0 हरदेव बाहरी, किताब महल, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद । 1980 ई0
10 सामान्य भाषाविज्ञान – डॉ0 बाबू राम सक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग 1983 ई0
11 व्याकरणिक कोटियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन– डॉ0 दीप्ति शर्मा, बिहार ग्रंथ अकादमी कदमकुआँ, पटना 2000 ई0
12 आधुनिक भाषाविज्ञान, कृपाशंकर सिंह– चतुर्भुज सहाय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दरियागंज, दिल्ली। 2000 ई0
13 नागरी लिपि – डॉ0 नरेश मिश्र, निर्मल पब्लिकेशंस, शाहदरा, दिल्ली । 2001 ई0

निर्देश –

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक खंड में से कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए कुल प्रश्नों की अधिकतम संख्या आठ होगी। परीक्षार्थी को इनमें से कोई चार प्रश्न करने होगें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 48 अंकों का होगा ।
2. पूरे पाठ्यक्रम में कोई दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे । जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।
3. पूरे पाठ्यक्रम में से आठ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

एम0 ए0 हिन्दी

द्वितीय सेमेस्टर

पंचम प्रश्न पत्र : विशेष रचनाकार कबीरदास – II

PAPER CODE: 20HND22D1

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
सतत् मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित : 80 अंक

Course Outcomes

CO 1- कबीर के समाजसुधारक रूप को समझने के लिए।

CO 2- समकालीन संदर्भों में कबीर की महत्ता को समझना।

CO 3- कबीर के ज्ञान और प्रेम के माध्यम से समाज की सुप्त चेतना को जगाने का प्रयास करना।

CO 4. निर्गुण भक्ति के स्वरूप को जानने के लिए।

क) व्याख्या हेतु निर्धारित पुस्तक

कबीर ग्रंथावली : सम्पादक–डॉ0 श्याम सुन्दर दास
प्रकाशक – नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।

पद – निम्नलिखित पद निर्धारित किए जाते हैं–

1, 2, 3, 4, 8, 10, 11, 12, 13, 14, 16, 21, 23, 24, 32, 34, 37, 38, 39, 41, 42, 43, 48, 49, 51, 52, 53, 56, 57, 59, 60, 61, 64, 69, 80, 84, 89, 91, 92, 99, 100, 111, 117, 120, 129, 132, 136, 139, 153, 156, 165, 169, 175, 180, 181, 184, 219, 224, 226, 233, 234, 235, 251, 258, 273, 286, 289, 298, 304, 306, 307, 310, 311, 312, 313, 317, 323, 330, 336, 337, 338, 342, 356, 359, 361, 367, 370, 371, 377, 378, 382, 383, 387, 389, 390, 394, 396, 400, 402, 405 – 100 पद

2 रमैंणी सम्पूर्ण

ख) आलोच्य विषय

1 कबीर का स्त्री विषयक चिन्तन
2 कबीर की मानवतावादी दृष्टि
3 कबीर का रहस्यवाद
4 कबीर के राम
5 कबीर की प्रासंगिकता
6 कबीर के काव्यरूप
7 कबीर की उलटबासियाँ
8 कबीर की प्रतीक योजना
9 कबीर की भाषा
10 कबीर के पारिभाषिक शब्द

अलख, सहज, शून्य, निरंजन, रणसम, उन्मानि, अजपाजाम, अनहदनाद, सुरति निरति, नाद बिन्दु, औंधा कुँआ

सहायक ग्रंथ

1 निर्गुण काव्य : प्रेरणा और प्रवृति – रामसजन पाण्डेय
2 निर्गुण काव्य की सांस्कृतिक भूमिका – रामसजन पाण्डेय
3 हिंदी काव्य में निर्गुण धारा – पीताम्बर दत्तबडथ्वाल, अवध पब्लिशिंग हाउस, लखनऊ ।
4 कबीर – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
5 कबीर की कविता – योगेन्द्र प्रताप सिंह

6 कबीर मीमांसा – डॉ0 रामचंद्र तिवारी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
7 उत्तरी भारत की संत परम्परा – परशुराम चतुर्वेदी, भारती भण्डार, इलाहाबाद ।
8 कबीर के काव्य रूप – नजीर मुहम्मद
9 कबीर साहित्य की परख – परशुराम चतुर्वेदी, भारती भण्डार, इलाहाबाद ।
10 संत कबीर – सं0 राम कुमार वर्मा,
11 कबीर की विचारधारा – गोविन्द त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन, कानपुर ।
12 हिंदी की निर्गुण काव्य धारा और कबीर – जयदेव सिंह
13 रधुवंश : कबीर : एक नई दृष्टि

निर्देश –

1. खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तक में से व्याख्या के लिए छः अवतरण पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं और पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
2. खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे । परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 11 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 33 अंक का होगा।
3. पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा ।
4. पूरे पाठ्यक्रम में से नौ वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

एम0 ए0 हिन्दी

द्वितीय सेमेस्टर

(Foundation Elective Paper)
MORAL EDUCATION
Paper Code: 20GENF1

Total Marks: 50
Time: 02 Hours **External Marks: 40**
Internal Marks: 10

Instructions
There will be a total of five questions. Question No. 1 will be compulsory and shall contain eight to ten short answer type questions without any internal choice and it shall cover the entire syllabus. The remaining four questions will include two questions from each unit. The students will be required to attempt one question from each unit. The students will attempt three questions in all.

UNIT I
Guiding principles for life
Ethics
a. Guidelines set by society
b. Changes according time and place
Morals
c. Guidelines given by the conscience
d. Always constant

Ethics in the workplace
a. Respect for each other
b. Obedience to the organization
c. Dignity of labour
d. Excellence in action

UNIT II
Concept of Trusteeship
a. Everything belongs to society
b. Man is only a caretaker
c. Our responsibility to ensure welfare of all

Importance of service
a. Responsibility of an individual
b. Man is only a caretaker
c Our responsibility to ensure welfare of all

एम0 ए0 हिन्दी

द्वितीय सेमेस्टर

MEDIA AND SOCIETY

Paper Code 20JRM01

Time Allowed 3 hrs

Max. Marks 100
Theory Marks 80
Assignment 20

UNIT I

1. Media Definition
2. Relationship of Media in Society
3. Impact of Media on society – recent trends
4. Media and Social Development

UNIT II

1. Media Literacy
2. Impact of Media on children and youth
3. Media and gender issues
4. Media and Rural Society

UNIT III

1. Media and Violence
2. Media and Rising Crime
3. Media and Democracy
4. Media and development of Scientific temperament
5. Media and environmental issues

UNIT IV

1. Media Accountability.
2. Media and Economic development
3. Media and Nation Building
4. Popular culture and media